जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

जुलाई -सितम्बर, 2017 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष-01 अंक - 04

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
  - संकल्प से सिद्धि (कृषि मंथन)
  - कृषक वैज्ञानिक परिसंवाद
  - वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

संरक्षक

प्रो. व्ही.एस. तोमर
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक

डॉ. पी.के. बिसेन
संचालक विस्तार सेवायें
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक

डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल

डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. अनय रावत
डॉ. प्रमोद गुप्ता

निदेशक की कलम से

कृषकों की आय दुगुनी करने के उद्देश्य से फसल उत्पादन दुगुना करने का पांच वर्षीय अभियान प्रारंभ हो चुका है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए यह एक सशक्त माध्यम साबित हो सकता है। वर्ममान में उत्पादन लागत अधिक होने के कारण खेती में नुकसान हो रहा है। फसलों का उत्पादन न बढ़ने के कारण खेती में घाटा हो रहा है। फसल उत्पादन कम होने के कई कारण है। असंतुलित उर्वरकों का उपभोग एवं उन्नत बीजों से किसानों की दूरी आदि। कृषक भाई खेती में उन्नत तकनीकी के प्रयोग से फसल उत्पादन स्वयं बढ़ा सकते हैं। वर्तमान समय में बढ़ती जनसंख्या को देखते हुये खाद्यान आपूर्ति के लिये उत्पादन बढ़ाना आवश्यक हो गया है। कृषकों द्वारा उन्नत तकनीकी के प्रयोग से ही अधिक उत्पादन संभव हो सकेगा। उन्नत तकनीकी के अंतर्गत मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग, समय पर बोनी, अनुसंशित बीज दर, बीजोपचार एवं सर्वाधिक उत्पादन देने वाली किस्मों का प्रयोग करके कृषकों की आय दुगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करना संभव हो पायेगा। कृषि अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है। सार्थक प्रयासों का परिणाम किसानों की आय दोगुनी होने पर ही नववर्ष में शुभकामनाओं के रुप में परिलक्षित होगा।

डॉ. पी.के. बिसेन
संचालक विस्तार सेवायें

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

संकल्प से सिद्धि (कृषि मंथन)

- संकल्प से सिद्धि (कृषि मंथन) तक कृषकों की आय दोगुनी करने हेतु उन्नत तकनीकी से उत्पादन में बढ़ोत्तरी करने के उद्देश्य से जवाहरलाल नेहरू कृषि

विश्वविद्यालय, जबलपुर के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम 15 से 30 अगस्त, 2017 तक आयोजित किये गये। इसके अंतर्गत कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को मृदा परीक्षण का उद्देश्य, बीज की गुणवत्ता, न्यूनतम सिंचाई में अधिकतम उत्पादन, नीदा प्रबंधन, पौध संरक्षण आदि विभिन्न तकनीकियां बताई गई। कृषकों ने इन विभिन्न कार्यक्रमों में बड़े उत्साह से भाग लिया।

कृषक वैज्ञानिक परिसंवाद

- कृषक वैज्ञानिक परिसंवाद कार्यक्रम ग्राम पलारी जिला सिवनी में 15 सितम्बर, 2017 को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा खरीफ एवं रबी मौसम में संबंधित कृषकों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री द्वारा विस्तार संचालनालय द्वारा तैयार की गई आकस्मिक कार्ययोजना (रबी) (Contingent plan) कृषकों को समर्पित की गई।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक

छिंदवाड़ा, हरदा, जबलपुर, कटनी, मण्डला आदि कृषि विज्ञान केन्द्रों में वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न हुई। कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख द्वारा प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी कार्ययोजना को प्रस्तुत किया गया। इन बैठकों में संचालनालय विस्तार सेवाओं के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधिया

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

न्यू इंडिया मंथन – संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट के द्वारा दिनांक 25 अगस्त, 2017 को लालबर्रा विकासखण्ड के ग्राम डोकरबन्दी में न्यू इंडिया मंथन – संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि एवं किसान

कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि मंत्री माननीय श्री गौरीशंकर बिसेन तथा विशिष्ठ अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष, श्रीमति रेखा बिसेन, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष, राजकुमार रायजादा अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. आर.एल. राऊत, डॉ. एस.आर. धुवारे, डॉ. एस.के. जाटव, श्री आर.पी. अहिरवार, कृषि महाविद्यालय मुरझड़ के अधिष्ठाता डॉ. व्ही.वी. उपाध्याय, वैज्ञानिक डॉ. उत्तम बिसेन आदि उपस्थित थे ।

राणा हनुमान सिंह की जयंती पर बड़गांव में किसान संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 14 सितम्बर, 2017 को राणा हनुमान सिंह की जयंती के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। केन्द्र में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि मंत्री माननीय गौरीशंकर बिसेन एवं विशिष्ठ अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति रेखा बिसेन, विधायक सुश्री हिना कावरे, पूर्व विधायक अशोक सरसवार, भागवतभाऊ नगपुरे, रामकिशोर कावरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमति गौरी उपवंशी, कृषि महाविद्यालय, बालाघाट, अधिष्ठाता डॉ. व्ही.बी. उपाध्याय, उप संचालक कृषि राजेश त्रिपाठी, डॉ. आर.एल. राऊत एवं अन्य गणमान्य अतिथि एवं बड़ी संख्या में कृषक बंधु मौजूद थे। इस कार्यक्रम में जिले के 11 उत्कृष्ठ कृषकों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया एवं 5-5 हजार रूपये की पुरूस्कार राशि प्रदान की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

केन्द्र पर बीज समितियों एवं कृषि आदान विक्रेताओं की कार्यशाला का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल में केन्द्र प्रमुख डॉ. विजय कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में खरीफ फसलों में बीज उत्पादन एवं आगामी रबी कार्यक्रम विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें

जिले के समस्त विकास खंडों की बीज समितियों के प्रमुख एवं आदान विक्रेताओं ने हिस्सा लिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आर.डी. बारपेटे ने फसलों में आने वाले रोगों के बचाव के उपाय बताए ताकि रोग रहित बीज का उत्पादन किया जा सके। वैज्ञानिक डॉ. संजीव वर्मा ने खरीफ फसलों में शुद्ध बीज उत्पादन कार्यक्रम की जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान की। पौध प्रजनन विषय के वैज्ञानिक डॉ. संजय जैन ने उन्नत बीज उत्पादन हेतु रोगिंग पर जोर दिया एवं बीज समितियों के प्रमुख व कृषि आदान विक्रेताओं को आगामी रबी में गेहूं एवं चने की उन्नत किस्मों की जानकारी दी। डॉ. वर्मा ने फसल विवधीकरण के अंतर्गत गेहूं के अतिरिक्त रबी में सरसों, चना, अलसी एवं मटर की उन्नत किस्मों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

विश्व कृषक महिला दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल के केन्द्र प्रमुख डॉ. विजय कुमार वर्मा की अगुवाई में दिनांक 15 अक्टूबर, 2017 को ग्राम रोंढ़ा विकासखंड बैतूल

में ''विश्व कृषक महिला दिवस'' का आयोजन किया गया जिसके तहत केन्द्र की उद्यान विषय की वैज्ञानिक रिया ठाकुर ने महिलाओं को खेती में उनके योगदान की जानकारी दी। साथ ही खेती-बाड़ी के काम के समय संतुलित आहार लेने की उपयोगिता के बारे में बताया एवं महिलाओं को बताया कि वे अपने घर के आसपास पोषण वाटिका लगाकर घर में उपयोग की सब्जियां एवं फलों का उत्पादन कर सकती हैं। वैज्ञानिक डॉ. आर.डी. बारपेटे ने महिलाओं को जैविक विधियों से बीज उपचार के विषय में विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. संजय जैन ने महिलाओं के श्रम लागत को कम करने वाले उपकरणों की जानकारी प्रदान की। इस दौरान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा महिला कृषकों के प्रक्षेत्रों का भी भ्रमण किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

संकल्प से सिद्धि

दिनांक 24 अगस्त, 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांव, छतरपुर में ''संकल्प से सिद्धि'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय लोकसभा सांसद माननीय डॉ. वीरेन्द्र कुमार थे। मुख्य अतिथि माननीय डॉ. मानवेन्द्र सिंह, विधायक महाराजपुर विधानसभा

विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वी.एल. शर्मा, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़ द्वारा की गई। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री के संदेश का वाचन किया गया तथा किसानों हेतु देशभक्ति की फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी को स्वच्छता एवं आय दुगनी करने हेतु संकल्प दिलवाया गया। कृषक श्री सलीम खान ने अपनी सफलता की कहानी कृषकों के साथ साझा की। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित 312 किसानों एवं 32 शासकीय अधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाडा

मुख्यमंत्री भावान्तर भुगतान योजना पोर्टल को लोकार्पण

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 11 सितंबर, 2017 को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स कार्यशाला एवं मुख्यमंत्री भावान्तर भुगतान योजना पोर्टल के लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा के वैज्ञानिकों ने भी भाग लिया। मध्यप्रदेश राज्य देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने इस योजना को लागू किया, इस योजना का मुख्य उद्देश्य फसलों की वर्तमान कीमत (समर्थन मूल्य) तथा

वास्तविक कीमत के अंतर को समाप्त करना है जिससे किसानों को अपनी फसल की उचित कीमत मिल सके। इस योजना के अंतर्गत सोयाबीन, मक्का, अरहर, मूंग, ज्वार, बाजरा, मूंगफली तथा धान की फसलों को मुख्यत: शामिल किया गया है।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति बैठक का आयोजन

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, छिन्दवाड़ा की वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक दिनांक 14 सितंबर 2017 को संपन्न हुई। डॉ. टी. आर. शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक, संचालनालय विस्तार सेवाएं, जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के आरंभ में अध्यक्ष एवं उपस्थित सम्मानीय सदस्यों का परिचय अध्यक्ष महोदय ने प्राप्त किया।

सर्वप्रथम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे द्वारा केन्द्र में होने वाली वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक का महत्व एवं सदस्यों से वांछित सुझाव एवं उनके दायित्वों के बारे में संक्षिप्त उद्बोधन दिया । कार्यक्रम का संचालन केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. डी. सावरकर ने किया तत्पश्चात् प्रतिवेदन को सभी सदस्यों के समक्ष रखा गया, प्रतिवेदन में मुख्य रूप से विगत 2016-17 की उपलब्धियां एवं आगामी वर्ष 2017-18 की कार्ययोजना से सभी सदस्यों को अवगत कराया गया। विगत बैठक के सुझावों पर केन्द्र द्वारा किए गए कार्यों को भी सभी के समक्ष रखा गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

विश्व मधुमक्खी दिवस

माननीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण, भारत सरकार की मंशानुसार एवं उप महानिदेशक, कृषि प्रसार, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के आदेशानुसार दिनांक 19 अगस्त 2017 को कृषि विज्ञान केंद्र, दमोह में विश्व मधुमक्खी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दमोह जिले के हटा, पथरिया, तेंदूखेड़ा व दमोह विकासखण्ड से लगभग दो सौ से ज्यादा कृषकों की भागीदारी रही। कृषि विज्ञान केंद्र, दमोह के प्रभारी डॉ. ए.के. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सम्पन्न इस

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री कणाद खरे, रूद्राक्ष हर्बल के प्रबंधक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरिशंकर विश्वकर्मा की उपस्थिति रही।

ग्राम जोरतला में 'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 23 अगस्त 2017 को ''संकल्प से सिद्धि'' कार्यक्रम का आयोजन ग्राम जोरतला में माननीय श्री लखन पटैल जी, विधायक पथरिया के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन से किया गया। तत्पश्चात् माननीय विधायक जी ने उपस्थित कृषकों को सम्बोधित करते हुए किसान हितैषी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, खेत सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना आदि का विस्तार से वर्णन किया। इसके उपरांत कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह को प्रधानमंत्री जी के मंशानुरूप वर्ष 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने का संकल्प माननीय विधायक जी ने दिलवाया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी

संकल्प से सिद्धि

संकल्प से सिद्धि जिलास्तरीय कार्यक्रम 23 अगस्त 2017 को कलेक्ट्रेट के सभागार में संपन्न किया गया, जिसमें 7 विकासखण्डों से आये 780 किसान लाभांवित हुए। नमामि देवी नर्मदे के अंर्तगत 17600 फल वृक्षों का रोपण डिण्डौरी जिले के विभिन्न ग्रामों में किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2017 को संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा. सांसद (बैतूल-हरदा क्षेत्र) श्रीमती ज्योति धुर्वे, हरदा विकासखण्ड

के विधायक मा. डॉ. आर.के दोगने एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष मा. श्री मनीष निषोद तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। केन्द्र के वैज्ञानिकों ने कार्यक्रम में कृषि से आय को दोगुना करने के लिए कृषि से संबंधित उन्नत तकनीकी की सम्पूर्ण जानकारी दी।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक

केन्द्र द्वारा दिनांक 12 सितम्बर 2017 को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक की अध्यक्षता में उन्होने कहा कि यदि किसान भाई विविधीकरण अपना ले तो आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन से निजात मिल जायेगा। उन्होंने कृषकों को अच्छी नई किस्मों के बीज का उपयोग करने तथा जैविक खेती के साथ ही उन्नत तकनीकियों को

अपनाने की बात कही। जिले में कार्यरत अन्य विभागों अर्थात कृषि विभाग, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन आदि के साथ मिलकर तकनीकियों के प्रसार की बात कही। गेंहू की कम पानी की उपलब्धता में किस्में जैसे जे.डब्ल्यू.-3173, जे.डब्ल्यू.-3211, एच.आई.-1544, जे.डब्ल्यू. 3288 आदि किस्मों को लगाने पर जोर दिया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

कृषि विज्ञान केंद्र, जबलपुर द्वारा जिले के किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्या अतिथि डॉ. अनुपम मिश्रा, संचालक अटारी ने किसानों की आय दोगुनी करने हेतु

कार्य योजना का निर्धारण करने तथा ग्रामीण महिलायों व बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने हेतु कार्य करने का सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ, पी.के. बिसेन, संचालक विस्तार सेवायें ने किया तथा किसानों की आय बढाने हेतु शंकर बीज उत्पादन कार्यक्रम के आयोजन की बात कही। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. डी.पी. शर्मा द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई ।बैठक में समिति सदस्यों के साथ साथ विभागाध्यक्ष एवं प्रगतिशील कृषको ने कृषि विज्ञान केंद्र की कार्य योजना में अपने अपने सुझावों से अवगत कराया। कार्यक्रम में डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. रश्मि गुप्ता, डॉ. ए.के. सिंह, प्रमोद गुप्ता, सिद्धार्थ नायक का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डी.के. सिंह ने किया।

नर्मदा महोत्सव अंतर्गत 5000 वृक्षों का रोपण

कृषि विज्ञान केंद्र, जबलपुर द्वारा 2 जुलाई 2017 को जे. एन. के. वि. वि. प्रांगण एवं अंगीकृत पोषण स्मार्ट ग्रामों में 5000 फलदार वृक्षों का रोपं किया गया मॉडल पोषण ग्राम सिहोदा में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती प्रतिभा सिंह द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। फलदार वृक्षो में अमरूद, करोंदा, नींबू, मुनगा, कटहल के पौधों का रोपण आंगनवाड़ी के सहयोग से कराया गया ताकि आगामी वर्षों में कुपोषण से ग्रस्त परिवारों में फलदार वृक्षों के माध्यम से फल उपलब्ध हो सकें ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

केन्द्र में दिनांक 04.08.2017 वैज्ञानिक परामर्शदात्री की बैठक डॉ. अर्चना पाण्डे, वरिष्ठ वैज्ञानिक विस्तार संचालनालय की अध्यक्षता में आयोजित की गई । केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक / प्रमुख डॉ. ए.के.

तोमर ने केन्द्र का प्रगति प्रतिवेदन एवं 2017-18 की कार्ययोजना प्रस्तुत की । इस अवसर पर कटनी जिले के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि व प्रगतिशील कृषक उपस्थित थे ।

स्वच्छता पखवाड़ा

दिनांक 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2017 तक वरिष्ठ वैज्ञानिक व केंद्र प्रमुख डॉ. ए.के. तोमर के मार्गदर्शन व केंद्र के वैज्ञानिकों डॉ. आर.के मिश्रा, डॉ. पी.के. गुप्ता, डॉ. आर.पी. बेन व श्री जे.के. सोनी की उपस्थिति व सहयोग से 'स्वच्छता ही सेवा है' कार्यक्रम का आयोजन

किया गया। जिसके अंतर्गत कटनी जिले के विभिन्न ग्रामों जैसे बंडा, ढुंढरी, मोहास, रीठी इत्यादि में कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी के अधिकारियों व कर्मचारियों ने स्वच्छता संबंधित जानकारी गोष्ठी, रैली

व कार्यशाला के माध्यम से दी साथ ही साथ दर्शनीय स्थल – रुपनाथ मंदिर व मोहास मंदिर एवं सामुदायिक भवन व एक्सीलेंस स्कूल में गंदगी साफ कर व झाड़ू लगाकर आम जनता को भी स्वच्छता की उपयोगिता की जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

गांधी जयन्ती में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान

'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 15 सितम्बर 2017 से 2 अक्टूबर 2017 तक कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला कार्यालय परिसर

एवं दिनांक 2 अक्टूबर 2017 को पर्यटन स्थल 'गरम पानी कुण्ड' ग्राम बबैहा में स्वच्छता का अभियान चलाया गया। इस कार्य में 'ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव' के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय बालाघाट से आये छात्रों एवं केन्द्र के वैज्ञानिको डॉ विशाल मेश्राम, श्री डी.पी. सिंह की सक्रिय भागीदारी रही।

15वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला में दिनांक 4 अक्टूबर 2017 को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ संजय वैशंपायन की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक मे जिले के सभी विभागों के प्रमुख एवं उनके प्रतिनिधियों, प्रगतिशील कृषकों ने सक्रिय भागीदारी करके रबी फसलों के कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु सुझाव दिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.एस. गौतम ने केन्द्र के प्रगति प्रतिवेदन का वाचन किया एवं मंच संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मेश्राम द्वारा किया गया, उपरोक्त बैठक में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग उपसंचालक आर.बी. साहू, सहसंचालक

उद्यान ज्ञानेन्द्र सिंह, प्रगतिशील कृषक श्री रमेश तिवारी, अमृतलाल धनगर, आत्मा से सहसंचालक डॉ. रविकांत सिंह एवं केन्द्र के वैज्ञानिक श्री विजय सिंह सूर्यवंशी, श्री डी.पी. सिंह उपस्थित रहे।

संकुल प्रदर्शन 'दलहन' के प्रदर्शनों का भ्रमण सह निरीक्षण

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से आये वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय वैशंपायन द्वारा संकुल प्रदर्शन कार्यक्रम 'दलहन' के अंतर्गत डाले गये प्रदर्शनों अरहर किस्म टी.जे.टी. 501 का भ्रमण सह निरीक्षण का कार्य किया गया प्रगतिशील कृषक श्री शैलेष मिश्रा ग्राम बक्छेरागोंदी के द्वारा डाले गये प्रदर्शन की फसल देखकर उनके द्वारा कृषक एवं केन्द्र के वैज्ञानिकों की सराहना की गयी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

स्वतंत्रता दिवस समारोह

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर द्वारा देश का 70वाँ स्वतंत्रता दिवस दिनांक 15 अगस्त 2017 ध्वजारोहण कर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आशुतोष शर्मा, वैज्ञानिक डॉ. यतिराज खरे, डॉ प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. एस.आर. शर्मा, श्रीमति रजनीप्रभा कोरी एवं सभी सदस्यों ने वीरगति प्राप्त स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया गया एवं स्वच्छता का संकल्प भी लिया। ग्रामीण कृषि

कार्य अनुभव कार्यक्रम हेतु जवाहरलाल कृषि महाविद्यालय, जबलपुर से आई छात्रों की भागीदारी भी सराहनीय रही।

'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर द्वारा भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुरुप 'संकल्प से सिद्धि न्यू इंडिया मूवमेंट (2017-2022)' एक दिवसीय जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रेक्षागार में

माननीय सांसद होशंगाबाद श्री राव उदयप्रताप सिंह जी के मुख्य अतिथि एवं नरसिंहपुर विधायक श्री जालमसिंह पटैल आतिथ्य की अध्यक्षता में दिनांक 25 अगस्त 2017 को किया गया।

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आशुतोष शर्मा ने खेती के साथ ही उद्यानिकी और कृषि वानिकी को अपनाने के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में जिले के सभी छह विकासखण्डों से लगभग 850 किसानों एवं किसान मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि, उपसंचालक पशुपालन, सहायक संचालक कृषि, सेन्ट्रल बैंक के प्रतिनिधि, लोकनिर्माण विभाग, प्रौद्योगिकी आदि विभागों की उपस्थिति रही।

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम

दिनांक 01 सितंबर 2017 कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के डॉ. एम.के. दुबे, डॉ. एस.एस. शुक्ला, एवं डॉ. बी.पी. बिसेन प्राध्यापक द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम जवाहरलाल कृषि महाविद्यालय,

जबलपुर से आई सभी छात्रों के कृषकों के प्रक्षेत्रों का भ्रमण एवं छात्राओं को ग्रामीण कृषि कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

रावें छात्रों द्वारा कृषकों के खेतों पर प्रायोगिक अध्ययन

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना मे कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़ से कृषि स्नातक अंतिम वर्ष के 24 छात्रों, ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावें) कार्यक्रम के अंतर्गत 06 माह तक डॉ. बी.एस. किरार एवं डॉ. आर.के. जायसवाल के तकनीकी मार्गदर्शन मे अंगीकृत गाँव-उड़की एवं जनवार में कृषकों के खेतो के साथ उनके खेतो पर खरीफफसलों एवं सब्जियों का व्यवहारिक ज्ञान से करके सीखो के सिद्धांत पर अध्ययन कराया जा रहा है। वैज्ञानिको द्वारा रावे छात्रों को सब्जियों एवं फसलों की प्रमुख उत्पादन तकनीक एवं कीट बीमारियों की पहचान और प्रभावी प्रबंधन के बारे मे बताया जा रहा है। साथ ही उन्हें ग्रामीणों की सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं का सर्वेक्षण कर ज्ञान कराया गया है। रावे कार्यक्रम मे किसानों को तकनीकी सलाह के साथ उन्हें शासन की कृषक कल्याणकारी, कृषि उद्यानिकी एवं पशुपालन आदि विभागीय योजनाओं को लाभ दिलाया जा रहा है। वैज्ञानिक एवं रावे छात्र कृषक संगोष्ठी में कृषि तकनीक एवं आय दोगुनी करने पर

नियमित विचार विमर्श करते है। स्वच्छता के संबंध मे छात्र गांवो मे संगोष्ठी एवं रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक करने का भी कार्य

स्वच्छता ही सेवा पर कृषक संगोष्ठी एवं रैली का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा 15 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2017 तक स्वच्छता ही सेवा पर अलग-अलग स्थानों/ग्रामों मे डॉ. बी.एस. किरार, डॉ. आर.के. जायसवाल, डॉ. आर.पी. सिंह, डॉ. के.पी. द्विवेदी, श्री एन.के. पंद्रे, रावे छात्र (कृषि महाविद्यालय, टीकमगढ़) एवं कृषकों

के साथ मिलकर कार्यालय परिसर के अलावा विभिन्न ग्रामों (जनकपुर, गाँधीग्राम, जनवार, गुखौर, पुरूषोत्तमपुर, गढ़ीपडरिया, राजापुर) एवं हेण्ड पम्प, कुआँ, स्कूल, सड़क किनारे, धार्मिक स्थल/पर्यटन स्थलों पर श्रमदान कर साफ-सफाई की गई और कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया तथा कृषक संगोष्ठी और रैली के माध्यम से लोगों को गंदगी से होने वाली बीमारियों से अवगत कराया गया। संगोष्ठी व रैली के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं, जैविक खेती एवं समन्वित कृषि पद्धति आदि बिंदुओ पर भी जानकारी दी गयी।

संकल्प से सिद्धि, न्यू इंडिया मंथन पर किसान मेला

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा 25 अगस्त 2017 को प्रधानमंत्री जी के संकल्प से सिद्धि, न्यू इंडिया मंथन (2017-22) अंतर्गत एक वृहद किसान मेला का आयोजन सुश्री कुसुम सिंह मेहदेले मंत्री, पी.एच.ई. एवं जेल विभाग, म.प्र. शासन के मुख्य आतिथ्य मे किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, अध्यक्ष, बुंदेलखण्ड

विकास प्रधिकरण एवं सदस्य, प्रबंध मंडल, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली ने की तथा विशिष्ट अतिथि श्री रविराज सिंह यादव अध्यक्ष, जिला पंचायत पन्ना, श्री महेन्द्र सिंह यादव, उपाध्यक्ष, बुंदेलखण्ड विकास प्राधिकरण एवं श्री मोहन लाल कुशवाहा, नगरपालिका अध्यक्ष, जिला पन्ना एवं 834 कृषकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पवारखेडा

पोषक आहार पर आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न

केन्द्र प्रमुख, डॉ. डी.के. पहलवान के मार्गदर्शन में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण केन्द्र पर दिनांक 26 एवं 27 जुलाई 2017 को आयोजित किया गया। प्रथम दिवस कार्यक्रम संयोजक डॉ. दीपाली बाजपेयी के द्वारा कुपोषण के बारे में विस्तृत वर्णन करके बताया तथा पोषण उद्यान के द्वारा किस प्रकार कुपोषण को दूर कर सकते है पोषण तत्व एवं संतुलित आहार की क्या भूमिका है के बारे में बताया। डॉ. संजीव वर्मा द्वारा समूह के माध्यम से इस प्रकार पोषण उद्यान की स्थापना करे तथा पोषण उद्यान का ले-आउट को प्रायोगिक रूप से समझाया। डॉ. ऋचा सिंह द्वारा प्रायोगिक रूप से नर्सरी की स्थापना

बीजोपचार, कलम लगाना बताया।

संकल्प से सिद्धि न्यू इण्डिया मंथन कार्यक्रम संपन्न

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय से सम्बन्ध कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि महाविद्यालय, पवारखेड़ा द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2017 को अधिष्ठाता एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. डी.के. पहलवान की अगुवाई में संपन्न

हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय विधानसभा अध्यक्ष, डॉ. सीताशरण शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि माननीय कलेक्टर महोदय द्वारा माँ सरस्वती पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया।

कार्यक्रम में माननीय विधानसभा अध्यक्ष ने जन समुदाय को 'नये भारत का संकल्प' के अंतर्गत शपथ दियाई कि वे स्वच्छ, गरीबी मुक्त, आतंकवाद मुक्त, संप्रदाय मुक्त, जातिवाद मुक्त भारत का निर्माण करेंगे साथ ही 2022 तक कृषि आय को दुगना करना, फसल बीमा, जैविक खेती, स्वाइल हेल्थ कार्ड, एकीकृत कृषि प्रणाली, कृषि उत्पादों के मूल्यवर्धन एवं सुरक्षित भण्डारण की दिशा में कार्य करेंगे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

पोषण आहार तकनीकी प्रशिक्षण सम्पन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा में 2 दिवसीय पोषण आहार तकनीकी वर्कशाप न्यूटी स्मार्ट ग्राम के अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग का प्रशिक्षण संपन्न हुआ जिसमें महिला बाल विकास विभाग की महिलाओं ने भाग लिया प्रशिक्षण के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने अपने उद्बोधन में बताया कि एक गॉव को (न्यूटी स्मार्ट) पोषक आहार से भरपूर बनाने हेतु रोड मैप बनाये जाने हेतु महिला बाल

विकास विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों के सुझाव से एक योजना को कार्यान्वयन किया जाना है ताकि ऑगवाड़ियों के माध्यम से वर्ष भर भरपूर पोषण आहार प्राप्त होता रहे। कार्यक्रम में डॉ नयन सिंह

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रीवा भी उपस्थित रहे।

वैज्ञानिकों द्वारा रेलवे शौचालय की सफाई अभियान कार्यक्रम का आयोजन

केन्द सरकार के भारतीय अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के तत्वाधान में दिनांक 15 सितंबर 2017 से 2 अक्टूबर 2017 तक 'स्वच्छता ही सेवा' है कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितम्बर को कृषकों एवं छात्रों को स्वच्छता ही सेवा है की शपथ दिलायी गयी इसके उपरांत तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया दिनांक 24 सितम्बर 2017 को रीवा रेलवे स्टेशन के सार्वजनिक शौचालय की स्वच्दता अभियान कृषि विज्ञान केन्द्र रीवा के वैज्ञानिकों/कर्मचारियों के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया

गया। जिसके अंतर्गत पहले चरण मे टायलेट की सफाई एवं रिटायरिंग रूम की धुलाई एवं दूसरे चरण में स्टेशन प्लेटफार्म की सफाई कर सफाई अभियान चलाया गया एवं कार्यक्रम का प्रारंभ केन्द्र के प्रमुख डॉ. अजय पाण्डेय साथ में वैज्ञानिक डॉ. श्रीमती निर्मला सिंह, डॉ. सी.जे. सिंह, डॉ. श्रीमती किन्जलक सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. के.एस. बघेल, श्री ओम साकेत, श्री यू.वी. वर्मा के द्वारा स्वच्छता अभियान में भाग लिया गया।

न्यू इंडिया मंथन: संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 25 अगस्त 2017 को कृषि विज्ञान केंद्र, रीवा के द्वारा न्यू इंडिया मंथन: संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि की आसंदी से बोलते हुए माननीय सांसद लोकसभा रीवा ने कहा कि अब समय आ गया है कि कृषक भाई नई

तकनीकी अपनाते हुए सन् 2022 तक सभी कृषकों की आय दोगुनी कर लक्ष्य पूरा करें।

कार्यक्रम का संचालन केंद्र के सस्य वैज्ञानिक डॉ. बृजेश कुमार तिवारी ने किया सांसद महोदय ने सभी को एवं अधिकारियों को स्वच्छता भ्रष्टाचार मुक्त भारत जाति पात मुक्त भारत धर्मनिरपेक्ष भारत की शपथ दिलाई कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा धान की उन्नत 12 किस्मों की प्रदर्शनी एवं एक हेक्टेयर कृषक का मॉडल आकर्षण का विषय रहा।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

सोयाबीन प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर द्वारा दिनांक 09 सितम्बर 2017 ग्राम ढ़गरानियाँ में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत सोयाबीन अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. के.एस. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी कृषक बंधुओं को सोयाबीन उत्पादन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत

जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ. ममता सिंह सोयाबीन की उन्नत किस्म जे.एस. 2029, जे.एस. 2034 के गुणों तथा उन्नत तकनीकी के साथ ही उन्नत बीज का उत्पादन स्वयं करने की विधि बताई। डॉ. आशीष त्रिपाठी, वैज्ञानिक (पौध संरक्षण) ने मौजूदा फसल परिस्थितियों में कम पानी वाली किस्मों के उपयोग की सलाह दी तथा कृषकों कों पौध

संरक्षण की विभिन्न तकनीकियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में ग्राम के सरपंच सहित 52 कृषकों जिनको प्रक्षेत्र पर सोयाबीन फसल का प्रदर्शन किया गया था ने भाग लिया। साथ ही सोयाबीन उत्पादन रेज्ड बेड पद्धति से करने, समय पर नींदा व कीट नियंत्रण की तकनीकी को समीपवर्ती ग्रामों में प्रचार प्रसार करने की बात कहीं।

न्यू इंडिया मंथन: संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम आयोजित

कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निर्देशानुसार दिनांक 28 अगस्त 2017 को कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर में संकल्प से सिद्धि न्यू इंडिया मंथन कार्यक्रम का किसान सम्मेलन आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि माननीय सांसद प्रतिनिधि श्री सुधीर यादव ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के संदेश का वाचन किया साथ ही श्री यादव ने कार्यक्रम मे उपस्थित सभी कृषक बंधुओं को नये भारत का संकल्प दिलाया। उन्होनें शासन की सिंचाई योजनाओं, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, उज्जवला योजना के बारे में बताया। इसके बाद कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदाय किसान फिल्म का प्रस्तुतिकरण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

न्यू इंडिया मंथन: 'संकल्प से सिद्धी' कार्यक्रम का आयोजन

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निर्देशानुसार न्यू इंडिया मंथन: 'संकल्प से सिद्धी' कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी द्वारा आज दिनांक 23 अगस्त 2017 को नवीन सब्जी मंडी परिसर, नागपुर रोड, सिवनी में किया गया। वर्ष 2022 तक कृषि आय दोगुना करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बोधसिंह भगत, सांसद बालाघाट-सिवनी द्वारा उपस्थित सभी कृषकों, जिले के अधिकारियों को शपथ दिलाकर शुरू किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद बोधसिंह भगत द्वारा अपने उद्बोधन में किसानों की आय दोगुनी करने के उपर बताया गया कि सरकार द्वारा कृषकों के हित में चलाई जा रही योजनाओं मुख्य रूप से नीम कोटेड यूरिया एवं उच्च गुणवत्ता के बीज एवं रोपण सामग्री के उपयोग एवं सरकार द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना पर जानकारी देते हुए बताया गया कि फसलों में खाद एवं उर्वरक का उपयोग मिट्टी परीक्षण के बाद प्राप्त कार्ड के आधार पर ही करें।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

गाजर घास जागरूकता दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मृगेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम सिन्दूरी भर्री में दिनांक 22 अगस्त 2017 को गाजर घास के एकीकृत नियंत्रण हेतु गाजर घास उन्मूलन दिवस का आयोजन किया गया।

संकल्प से सिद्धि

शहडोल समीपी ग्राम कल्याणपुर स्थित दिनांक 24 अगस्त 2017 कृषि विज्ञान केन्द्र प्रांगण में संकल्प से सिद्धि न्यू इंडिया मूवमेन्ट 2017 के तहत जिले के करीब पांच सौ कृषकों ने अपनी-अपनी आय को दोगुना करनें का संकल्प कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक श्रीमति प्रमिला सिंह, श्री जय सिंह मरावी, कमिश्नर श्री बी.एस. शर्मा और नाबार्ड के महाप्रबंधक श्री संजय सोनी मौजूद रहे, उन्होंने अन्नदाताओं को 2022 तक कृषि आय को दोगुना करने की शपथ दिलाई।

सेवा दिवस का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल द्वारा दिनांक 17 सितम्बर 2017 को सेवा दिवस मनाया गया जिसके अंतर्गत समस्त स्टाफ और रावे छात्रों द्वारा पूरे परिसर की चार घंटे तत्परता से सफाई की गयी। कार्यालय के प्रसाधन कक्षों की सफाई की गयी। परिसर के अन्दर और बाहर स्वच्छता ही सेवा के बैनर प्रदर्शित किये गए। स्वच्छता की शपथ ली गयी। कृषक भवन प्रांगण की सफाई की गयी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

कृषक संगोष्ठी

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़ में माननीय कुलपति प्रोफेसर वी.एस. तोमर के मुख्य आतिथ्य में 'कृषक संगोष्ठी' 17 जुलाई, 2017 को आयोजित की गयी, जिसमें 45 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भागीदारी की माननीय् कुलपति महोदय ने बुन्देलखण्ड की पुरानी फसलों की प्रजातियों को संरक्षित करने का सुझाव दिया ।

संकल्प से सिद्धि

'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा 30 अगस्त 2017 को आयोजित की गयी, जिसमें माननीय सांसद टीकमगढ़ लोकसभा क्षेत्र डॉ. वीरेन्द्र कुमार खटीक मुख्य अतिथि थे इसमें 1044 कृषकों को शपथ एवं माननीय प्रधानमंत्री द्वारा न्यू इंडिया मंथन पर विचारों से कृषकों को अवगत कराया गया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

संकल्प से सिद्धी कार्यशाला संपन्न

संकल्प से सिद्धी कार्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 640 कृषकों एवं 50 अधिकारी/कर्मचारियों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में उपस्थित आगंतुकों को माननीय प्रधानमंत्रीजी के संदेश पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई तद्उपरांत कार्यक्रम में उपस्थित जिला कलेक्टर श्रीमाल सिंह जिला पंचायत, मुख्य कार्यपालन

अधिकारी, विधानसभा बॉधवगढ़ के विधायक श्री शिवनारायण सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री मिथलेश मिश्रा, एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को केन्द्र द्वारा लगाई गई जीवित प्रदर्शनी जिसमें केंचुआ खाद उत्पादन इकाई, अजोला उत्पादन इकाई, ड्रिप सिंचाई इकाई, मधुमक्खी पालन इकाई, मुर्गी कडकनाथ नस्ल, बकरी की जमुनापरी नस्ल, ईकाइयों का केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. के.पी. तिवारी द्वारा भ्रमण कराया गया। भ्रमण पश्चात् माननीय विधायक महोदय श्री शिवनारायण सिंह द्वारा उपस्थित कृषको एवं अधिकारियों को सन् 2022 तक उत्पादन दुगुना करने का सामूहिक संकल्प दिलाया।

दलहन एवं तिलहन के कलस्टर प्रदर्शन

कृषि विज्ञान केंद्र, उमरिया द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत दलहन फसल अरहर की जल्दी पकने वाली फसल किस्म टी.जे.टी.-501 पर दो कलस्टर क्रमशः ग्राम हरराडांड व गहिराटोला में 73 कृषकों के यहॉ प्रदर्शन डाले गए। प्रदर्शनों में पिछले वर्ष एस.पी.आई. विधि अरहर फसल की उत्पादकता 44.24 क्विं/हे. को देखते हुये कृषको ने

अरहर को एस.पी.आई. विधि से भी लगाया है। तिलहन फसल के अंतर्गत तिल प्रजाति जे.टी.एस. 55 के 25 कृषको के यहां प्रदर्शन डाले गये।

विश्व मधुमक्खी दिवस

कृषि विज्ञान केन्द्र उमरिया द्वारा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के गॉव ताली में दिनाँक 19 अगस्त 2017 को विश्व मधुमक्खी दिवस का आयोजन किया गया उपस्थित कृषकों को बताया गया कि उमरिया जिले में वन अधिक होने से यहां मधुमक्खी पालन किया जा सकता है क्योकि यहां सालभर मधुमक्खी के लिए फल जंगल में मिल जाता है, व मधुमक्खी की खेती करने से कृषिगत फसलों के उत्पादन मे भी वृद्धि हो सकती है। इस हेतु किसानो को मधुमक्खी पालन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

वृक्षारोपण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी में चतुर्थ वर्ष के रावे (Rural Agricultural Work Experience) के छात्राओं द्वारा दिनांक 02 जुलाई 2017 को म.प्र. शासन द्वारा चलाये गये वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत हिस्सा लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख प्रो. महेन्द्र सिंह बघेल के मार्गदर्शन में हुआ।

स्वच्छता ही सेवा

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण, रैली एवं साफ-सफाई का आयोजन किया गया। इस रैली में रावे की छत्राओं ने भाग लिया ।

बुक-पोस्ट
मुदित सामग्री

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय

अधारताल, जबलपुर (म.प्र.) 482004, भारत

Tele-fax: 0761-2681710
E-mail: desjnau@rediffmail.com
www.jnkvv.org

प्रति, _____

_____

_____